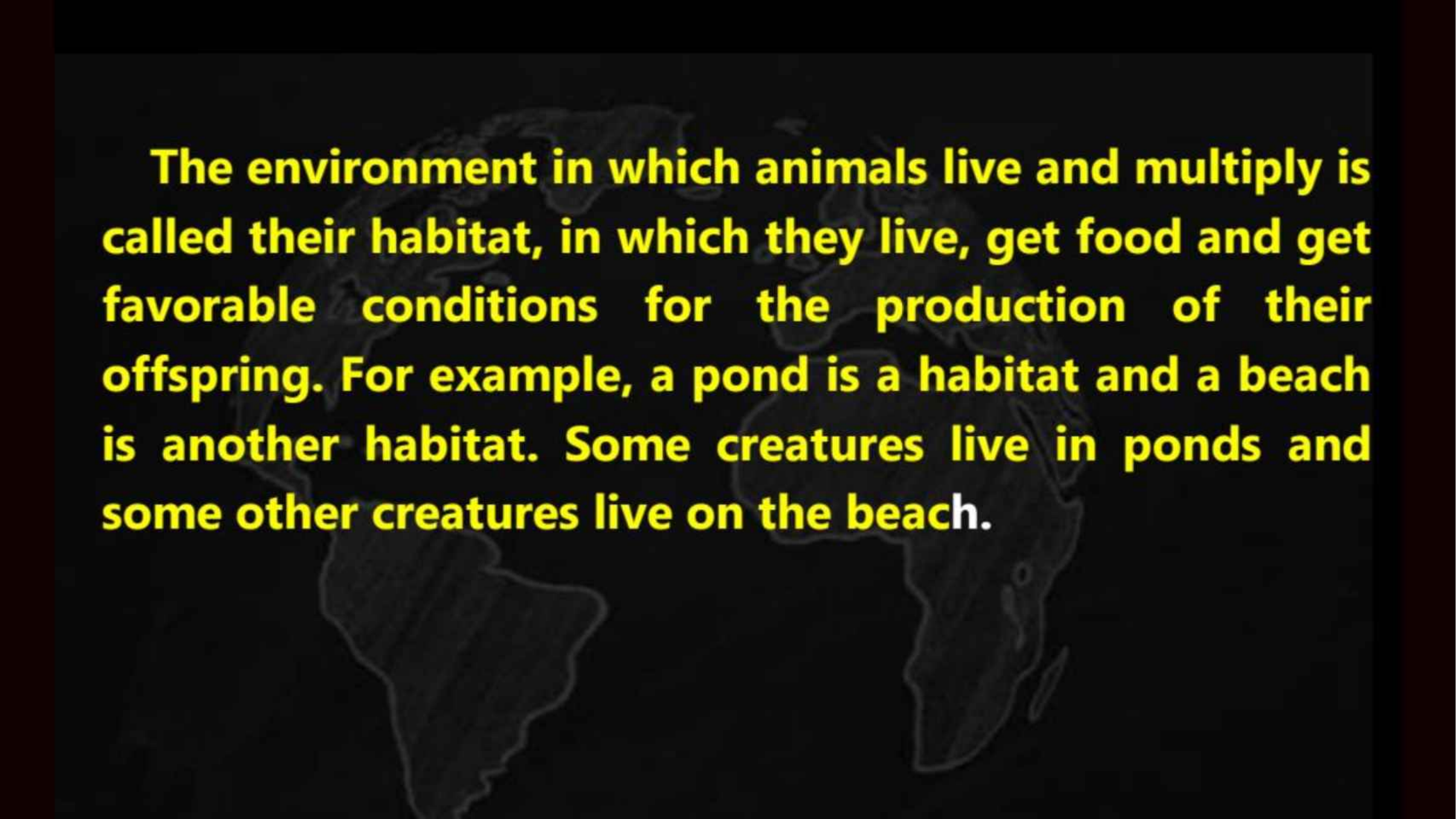


07/01/2025

Reet (बंदन बॉच)

आवास(Shelter)

जीव-जन्तु जिस वातावरण में रहकर अपनी प्रजाति में वृद्धि करते हैं, वही उनका आवास कहलाता है, जिसमें वे जीव-जंतु रहते हैं, भोजन प्राप्त करते हैं एवं अपनी संतानोत्पत्ति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्राप्त करते हैं। उदाहरण के लिए तालाब भी एक आवास है तथा समुद्र तट भी एक अन्य आवास है। कुछ जीव तालाब में रहते हैं तथा कुछ अन्य जीव समुद्र तट पर रहते हैं।



The environment in which animals live and multiply is called their habitat, in which they live, get food and get favorable conditions for the production of their offspring. For example, a pond is a habitat and a beach is another habitat. Some creatures live in ponds and some other creatures live on the beach.

पौधे भी एक विशेष पर्यावरण में ही अच्छी तरह पनपते हैं तथा अधिक दिनों तक जीवित रहते हैं। कमल जैसे पौधे जल में तथा कैक्टस जैसे पौधे रेगिस्तान में उगते हैं।

Plants also grow well only in a particular environment and survive for a long time. Plants like lotus grow in water and plants like cactus grow in desert.

आवास के प्रकार (Types of Shelter)



↓
स्थायी आवास
(Permanent Shelter)

- मनुष्य का घर
- शेर के लिये जंगल
- ममल के लिये जल / रीचड

↓
अस्थायी आवास
(Non-Permanent Shelter)

- चिड़ियाघर
- तंगू

आश्रय दो प्रकार के होते हैं - स्थायी और अस्थायी। स्थायी आश्रय वह होता है जिसमें कोई जीव या मनुष्य स्थायी रूप से रहता है, जैसे - जंगल, जंगली जीव - जंतुओं का स्थायी आश्रय है। घर मनुष्य का स्थायी आश्रय है।

There are two types of shelters – permanent and temporary. Permanent shelter is the one in which any living being or human being lives permanently, for example, forest is the permanent shelter of wild animals. Home is the permanent shelter of man.

अस्थाई आश्रय वह होता है, जिसमें जीव या मनुष्य कुछ समय के लिए रहें, जैसे -चिड़ियाघर जीवों के लिए अस्थाई आश्रय है। तम्बू (टेंट) मनुष्य का अस्थाई आश्रय है।

A temporary shelter is one in which animals or humans stay for some time, like a zoo is a temporary shelter for animals. Tent is a temporary shelter for humans.

ખાવાસ કે લિયે અનુકૂલ દશાણં

૧-> સામાજિક સ્થિતિ

૨-> ખેતવાયુ (climate)

૩-> સામગ્રી કે ઉપલબ્ધતા

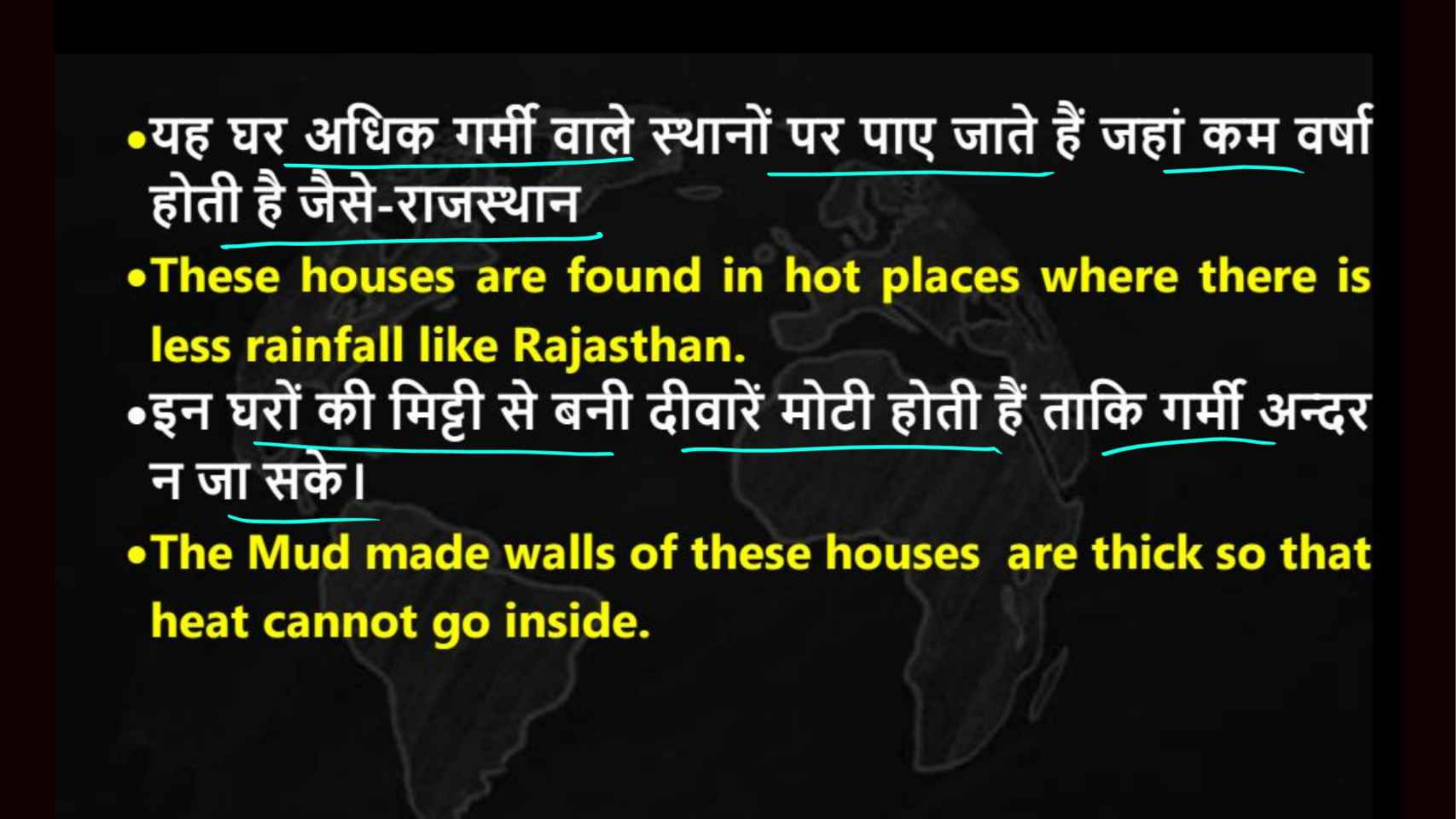


विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न प्रकार के घर / (Different types of houses in different areas)

1. मिट्टी के घर / Mud house

- मिट्टी के घर प्रायः गाँवों में पाये जाते हैं।
- **Mud houses are often found in villages.**



- 
- यह घर अधिक गर्मी वाले स्थानों पर पाए जाते हैं जहां कम वर्षा होती है जैसे-राजस्थान
 - **These houses are found in hot places where there is less rainfall like Rajasthan.**
 - इन घरों की मिट्टी से बनी दीवारें मोटी होती हैं ताकि गर्मी अन्दर न जा सके।
 - **The Mud made walls of these houses are thick so that heat cannot go inside.**

- इन घरों की छतें झाड़ियों या छप्पर की बनी होती हैं। कुछ घरों के छत में नीम या कीकर की लकड़ी का प्रयोग किया जाता है ताकि कीड़े न लगे।

- The roofs of these houses are made of bushes or thatch. Neem or Kikar wood is used in the roof of some houses so that insects do not get there.

- दीवारों को गोबर से लेपकर सुंदर बनाया जाता है ताकि मिट्टी टूटे नहीं।

- These houses are plastered by dung from time to time so that the soil does not break.

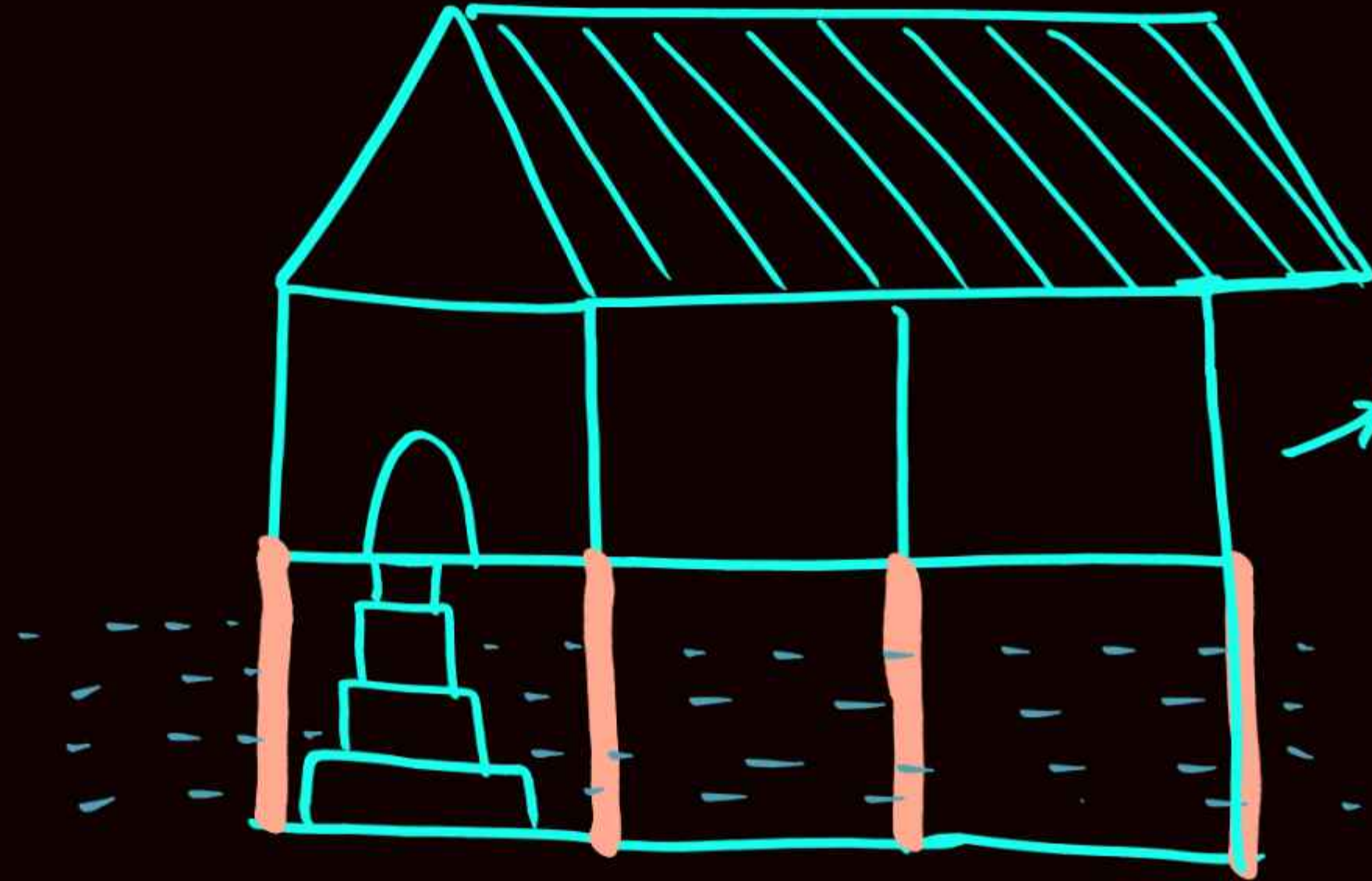
• इन घरों के फर्श को भी गोबर से लीपा जाता है ताकि कीड़े न आयें।

• The floors of these houses are to covered with cow dung to prevent insects from coming in.

• मिट्टी को मजबूत बनाने के लिए उसमें भूसा मिलाया जाता है।

• To strengthen the soil, straw is added to it.

बांस के घर / लकड़ी के घर



अधिक बज्ज
वाले घरों में

~~जोड़~~
प्रसम

2. बाँस/लकड़ी के घर / Bamboo/wooden house

भारत के असोम (असम) जैसे राज्य जहाँ बारिश बहुत होती है वहाँ पर इस प्रकार के घर पाये जाते हैं।

This type of houses are found in states like Assam of India where there is a lot of rainfall.



- ये जमीन से दस-बारह फुट(लगभग 3 मी. से 3.5 मी.) उँचे बाँस के मजबूत खम्भों पर बनाये जाते हैं ताकि बाढ़ आने पर घर को कोई नुकसान न हो।

- These are built on strong bamboo poles ten to twelve feet high from the ground so that there is no damage to the house in case of flood.

- अन्दर से भी मकान लकड़ी से ही बने होते हैं।

- Houses are made of wood from inside also.

मकानों की छतें ढालू होती हैं।

- **The roofs of the houses are sloping.**



પત્થર ને ઘર

લડુદારવ

દોતે
સમતલ

રતબી લુલ્હાઈ આ (હી હો)



આનવર

રિવડકી નહીં

3. पत्थर या लकड़ी के घर / Stone or wooden house

- इस प्रकार के घर पहाड़ी इलाकों में बनाये जाते हैं, जहाँ बारिश भी होती है और बर्फ भी पड़ती है।
- **These types of houses are built in hilly areas Where it rains and snows in these areas.**



लोगों ने अपने घर पत्थर, मिट्टी, लकड़ी और चूने से बनाए हैं।

People have built their houses with stone, mud, wood and lime.

समान्यतः

• इन घरों की छत ढलवां होती है ताकि बारिश का पानी या बर्फ नीचे गिर जाये।

• The roof of these houses is sloped so that rain water or snow falls down.

→ लड़काले
• कहीं-कहीं घरों की छतें समतल हैं तथा इन्हें पेड़ों के मोटे तनों से बनाया गया है।

• At some places the roofs of the houses are flat and they are made from thick trunks of trees.

• नीचे की मंजिल पर कोई भी खिड़की नहीं होती है। (लड़काले)

• There are no windows on the ground floor

• पत्थरों के घर पर चूने की पुताई होती है ताकि कीड़े न आएँ। ये घर एक मंजिले होते हैं या फिर दो मंजिले। लद्दाख के लोग अपने घर की निचली मंजिल को सामान या जानवर रखने के लिए उपयोग करते हैं।

• **Stone houses are painted with lime to prevent insects from coming in. These houses are either one storey or two storey. People of Ladakh use the lower floor of their houses to keep goods or animals.**

- लद्दाख के लोग अपने घरों की समतल छतों का उपयोग फसल, सब्जी आदि सुखाने के लिए करते हैं।
- **People of Ladakh use the flat roofs of their houses for drying crops, vegetables etc.**
- इस प्रकार के घर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश आदि में भी पाये जाते हैं।
- **This type of houses are also found in Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh etc.]**

बर्फ में घर / इग्लू



4. बर्फ का घर/इग्लू / Ice house/igloo

- यह बर्फीले क्षेत्रों में पाया जाता है।

- It is found in snowy areas.

- यह बर्फ के टुकड़ों (ब्लॉकस्) को जोड़ कर बनाये जाते हैं।

- These are made by joining blocks of ice.



- यह एस्क़िमो शिकारियों का अस्थाई निवास होता है।
- **This is the temporary residence of Eskimo hunters.**
- यह गुंबद के आकार का होता है और इसका प्रवेश द्वार बहुत छोटा होता है ताकि बर्फ़िली हवा अन्दर न जा सके।
- **It is dome shaped and its entrance is very small so that the icy wind cannot enter inside.**
- बर्फ़ की दीवारों के बीच मौजूद हवा अन्दर की गर्मी को बाहर जाने से रोकती है।
- **The air present between the walls of ice prevents the heat inside from escaping.**